मदर जोन्स श्रमिक नेता

कोनी कोलवेल मिलर,

चित्र: स्टीव इरविन और चार्ल्स बार्नेट



मदर जोन्स

श्रमिक नेता

कोनी कोलवेल मिलर,

चित्र: स्टीव इरविन और चार्ल्स बार्नेट



विषयसूची



अध्याय 1

श्रमिक वर्ग संघर्ष






टीचर की नौकरी मैरी को मेम्फिस, टेनेसी ले गई, जहां उसकी मुलाकात जॉर्ज जोन्स से हुई और जल्द ही उनकी शादी हुई. चूँकि उनके एक कमरे के घर में चार बच्चे थे, इसलिए पैसे की हमेशा तंगी रहती थी.
शायद आज रात का बचा हुआ खाना अगले वेतन तक चल जाए.
जॉर्ज एक फैक्ट्री में लोहा ढालने का काम करता था. वो औद्योगिक क्रांति का काल था और जॉर्ज ठीक उसके मध्य में था.
जॉर्ज, मेरे पिता की अपनी दुकान थी. वो प्रतिदिन 12 घंटे खदान में काम किए बिना, ईमानदारी से पैसा घर लाते थे.
समय बदल रहा है. ये मशीनें अब एक आदमी की तुलना में कहीं तेजी से और सस्ते में पुर्ज़े बना सकती हैं. और, ज़्यादा पुर्ज़ों का मतलब होगा अधिक मुनाफा.
तुम्हारी कमाई में वो नहीं दिखता है.
जो धंधे के लिए बढ़िया हो वो हमेशा श्रमिकों के लिए अच्छा नहीं होता है.


आयरन मोल्डर्स की यूनियन हमें बेहतर वेतन और कम घंटे काम करने में मदद कर सकती है.
कैसे? अगर मैं काम नहीं करूंगा, तो मेरी जगह कोई और आदमी वो काम करेगा.
यदि सभी आयरन मोल्डर्स संगठित होंगे तो फिर मालिक किसे काम पर रखेंगे? इसलिए यूनियन हम सबकी जरूरत है. संगठन हमारी शक्ति होगी.
मैं सदस्य बनूँगा.
लेकिन यूनियन भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई. 1867 में, मेम्फिस में पीला बुखार फैला.
पूरे दिन और रात, मैं मौत की गाड़ी के पहियों की आवाज़ सुनता हूँ.
एक-एक करके मैरी के बच्चे उस बीमारी में मर गए. उसके तुरंत बाद, जॉर्ज की भी मृत्यु हो गई.
अमीर लोग शहर छोड़कर चले गए हैं. लेकिन गरीब यहीं फंसे हुए हैं.
मेरे लिए इस शहर का मतलब सिर्फ मौत है! मैं अब यहाँ नहीं रुकूंगी.


मैरी शिकागो, इलिनोइस चली गई और वहाँ उसने सिलाई का काम शुरू किया. वो अक्सर अमीरों के घरों में सिलाई करती थी.
यहां मैं इस शानदार घर में बैठी हूं, जबकि गरीब भोजन की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं.
मेरे मालिकों को गरीबों की कोई परवाह नहीं है.
फिर, 1871 में, मैरी के परिवार की मृत्यु के चार साल बाद, एक भीषण आग में शिकागो शहर जल गया. मैरी की दुकान भी नष्ट हो गई.
एक बार फिर, मैरी के पास कुछ भी नहीं बचा. गरीब और मज़दूर ही शहर की त्रासदी से सबसे अधिक प्रभावित हुए.
अमीर लोग बीमे का खर्च उठा सकते थे.
आग लगने के बाद शिकागो का पुनर्निर्माण हुआ. लेकिन अमीर और गरीब के बीच की खाई अब और गहरी हो गई.
देश भर में मजदूरों की हड़तालें बढ़ीं. उद्योग के केंद्र शिकागो में, कई विरोध प्रदर्शन हुए. एक दशक से भी अधिक समय तक मैरी, मज़दूरों के विरोध प्रदर्शनों का हिस्सा रही.
STRIKE
1880 के दशक के मध्य में, मैरी ने "नाइट्स ऑफ़ लेबर" की बैठकों में भाग लिया.
हम दिन में 12-घंटे काम करते हैं. असुरक्षित मशीनों में हमारी उंगलियाँ कट जाती हैं.
हमें बेहतर वेतन, सुरक्षित काम, और कम घंटे काम की माँग करनी चाहिए!
जरूर!
हाँ!
1894 में, उन्होंने कॉक्सी की सेना के साथ मार्च किया. बेरोजगार लोगों का यह समूह राष्ट्रपति से बातचीत करने के लिए वाशिंगटन, डी.सी. गया.
सड़क पर किसान सहानुभूतिपूर्ण थे. आज रात रोटी और खाना ज़रूर मिलेगा!

अध्याय दो

सफाई कर्मचारियों और खनिकों की पत्नियाँ



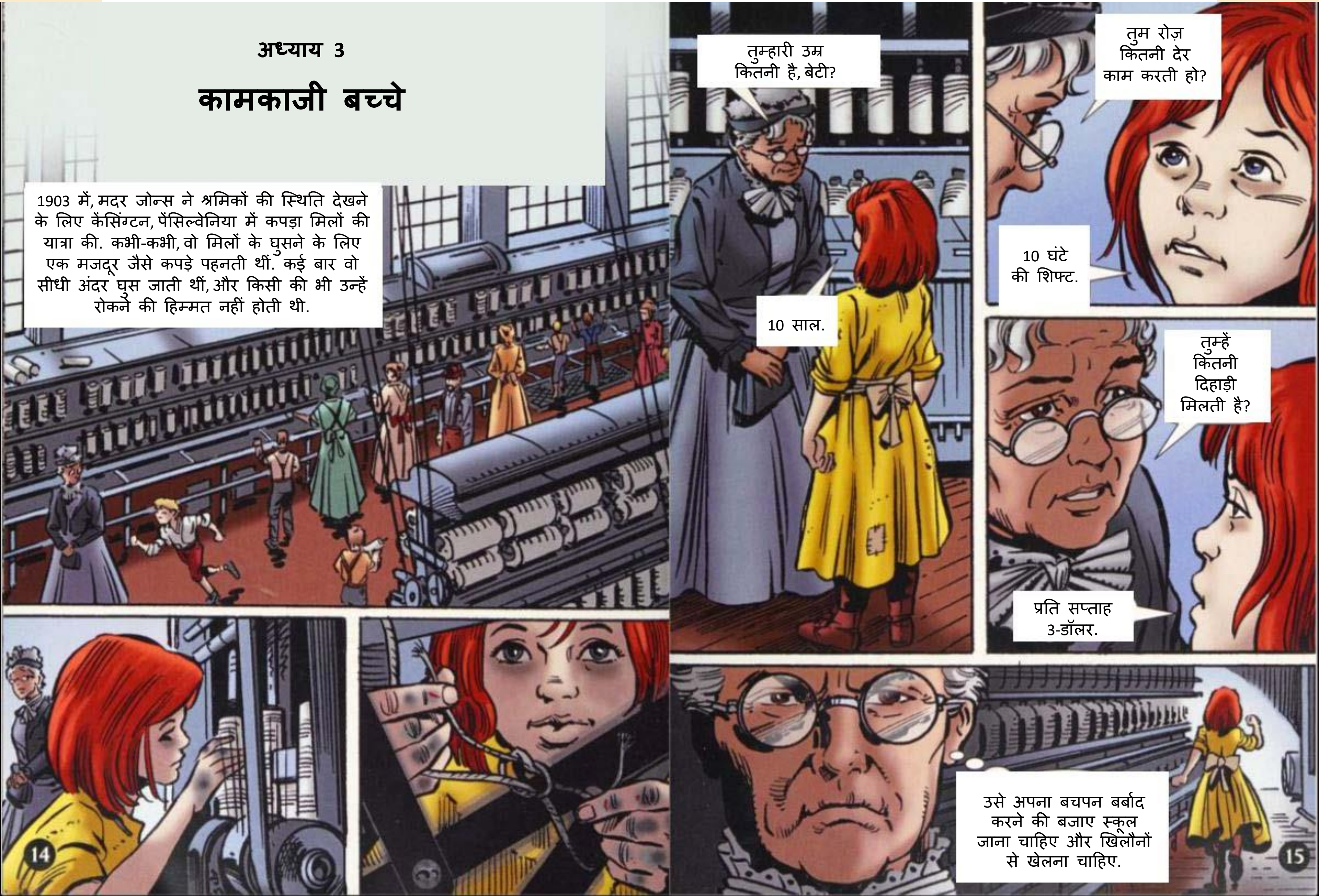



1899 में, अरनोट, पेंसिल्वेनिया में कोयला श्रमिक, बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और वेतन के लिए महीनों से हड़ताल कर रहे थे. जब कोयला कंपनी ने हड़ताली खनिकों के स्थान पर स्कैब्स नामक अन्य श्रमिकों को काम पर रखा, तो मदर जोन्स ने उनकी मदद करने की ठानी.
मर्द, बच्चों के साथ घर पर ही रहें. महिलाएं स्कैब्स से निपट लेंगी.
मदर जोन्स ने खनिकों की पत्नियों को स्कैब्स से बचाने के लिए संगठित किया. उनके हाथों में झाड़ू और पोछे थे. मदर जोन्स स्वयं खदान के पास नहीं जा सकती थीं अन्यथा उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता.
आज खदान में एक भी स्कैब्स नहीं घुसेगा!


अगर कोई खदान में घुसा तो उसे मुझे उत्तर देना होगा!
खच्चर! आज छुट्टी! कोई काम नहीं!
थोड़े समय बाद, कोयला कंपनी ने हड़ताली खनिकों के साथ एक समझौता किया. मज़दूर अधिक वेतन के साथ खदानों में लौटे.
हमने यह हड़ताल बिना किसी खून-खराबे या दंगे के जीत ली.
हमें यह जीत पोछा और झाड़ू वाली महिलाओं की सेना के कारण हासिल हुई!

अध्याय 3

कामकाजी बच्चे



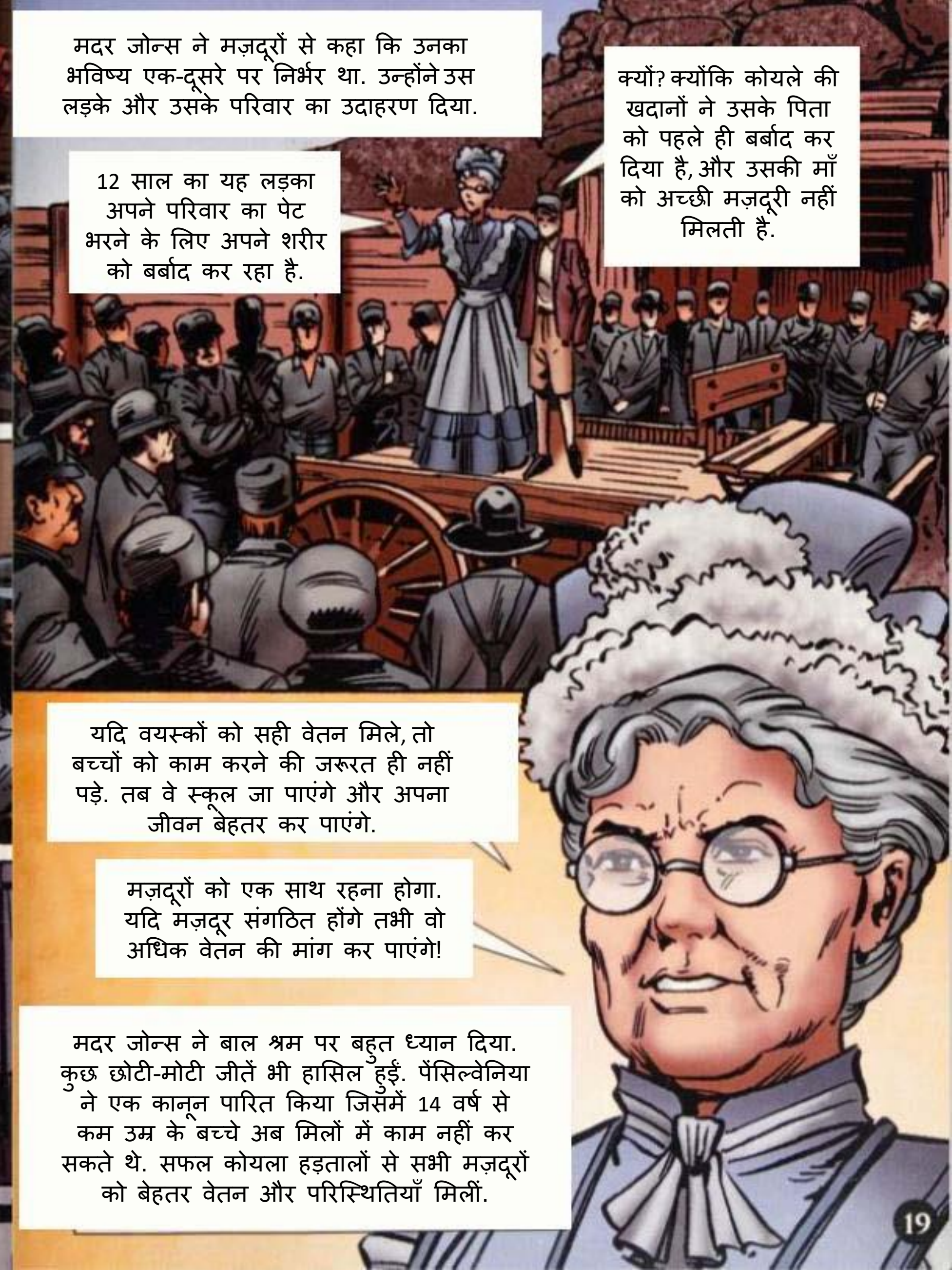


मदर जोन्स लोगों को मिल के बच्चों की हालत दिखाना चाहती थीं. उसके लिए उन्होंने एक लम्बा मोर्चा आयोजित किया.
इस शहर की हवेलियाँ, इन बच्चों की टूटी हड्डियों, कांपते दिलों और झुके हुए सिरों पर बनी हैं!
हमारी मांगें
बदहाली
गरीबी
जरा बच्चों को देखो!
मोर्चा, न्यूयॉर्क तक गया. कोनी द्वीप मनोरंजन पार्क में, मदर जोन्स ने बाल श्रम के मुद्दों को बेहतरीन ढंग से प्रदर्शित किया. जब मदर जोन्स भीड़ से बात कर रही थीं तब बच्चे जानवरों के खाली पिंजरों में घुस गए.
ये पिंजरे एक प्रतीक हैं. बच्चे उनमें फंसे हुए हैं.
बच्चे दिन में 10-12 घंटे कपड़ा मिलों में फंसे रहते हैं.
बच्चे वे कालीन बुनते हैं जिन पर आप चलते हैं. बच्चे वे कपड़े बुनते हैं जिन्हें आप पहनते हैं.
सब बच्चे अच्छा भोजन, स्कूल जाना और खेलने का मौका चाहते हैं.



दो सप्ताह तक चलने के बाद, वे अपने लक्ष्य तक पहुंचे. मदर जोन्स बच्चों को ऑयस्टर बे, न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट के घर ले गईं. मदर जोन्स चाहती थीं कि रूजवेल्ट बच्चों की सुरक्षा के लिए एक कानून पारित करें.
राष्ट्रपति रूजवेल्ट! इन बच्चों को आपकी मदद की ज़रूरत है! मिलें हमारे बच्चों को मार रही हैं!
बच्चों के लिए न्याय
लेकिन रूजवेल्ट ने अपने घर से बाहर आने से मना कर दिया. लेकिन मदर जोन्स को अखबार की ख़बरों से बहुत अधिक प्रसिद्धि मिली. लोग उनकी बातें सुन रहे थे.
hiladelphia North American
THER JONES LEADS INDUSTRIAL ARMY
sident under seige in summer home
Children at center of demonstration; 'Mother' Jones calls for end to child labor
“I am going to show Wall Street the flesh and blood from which it squeezes its wealth.”
NEW YORK POST
ROOSEVELT REFUSES


उसके तुरंत बाद, मदर जोन्स ने कुछ कोयला खदानों का दौरा किया यह देखने के लिए कि वहां बच्चों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा था.
तुम्हारी उम्र कितनी है, बेटा?
बारह, मैडम.
यह लड़का कोयला खदान में अपने फेफड़े क्यों काले कर रहा है?
उसके पिता बहुत बीमार हैं और मिल की नौकरी मुझे ज़्यादा पैसे नहीं देती है. बेटे के बिना, हम लोग भूखे मर जायेंगे.


मदर जोन्स ने मज़दूरों से कहा कि उनका भविष्य एक-दूसरे पर निर्भर था. उन्होंने उस लड़के और उसके परिवार का उदाहरण दिया.
12 साल का यह लड़का अपने परिवार का पेट भरने के लिए अपने शरीर को बर्बाद कर रहा है.
क्यों? क्योंकि कोयले की खदानों ने उसके पिता को पहले ही बर्बाद कर दिया है, और उसकी माँ को अच्छी मज़दूरी नहीं मिलती है.
यदि वयस्कों को सही वेतन मिले, तो बच्चों को काम करने की जरूरत ही नहीं पड़े. तब वे स्कूल जा पाएंगे और अपना जीवन बेहतर कर पाएंगे.
मज़दूरों को एक साथ रहना होगा. यदि मज़दूर संगठित होंगे तभी वो अधिक वेतन की मांग कर पाएंगे!
मदर जोन्स ने बाल श्रम पर बहुत ध्यान दिया. कुछ छोटी-मोटी जीतें भी हासिल हुईं. पेंसिल्वेनिया ने एक कानून पारित किया जिसमें 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे अब मिलों में काम नहीं कर सकते थे. सफल कोयला हड़तालों से सभी मज़दूरों को बेहतर वेतन और परिस्थितियाँ मिलीं.

अध्याय 4

अमेरिका की सबसे खतरनाक महिला



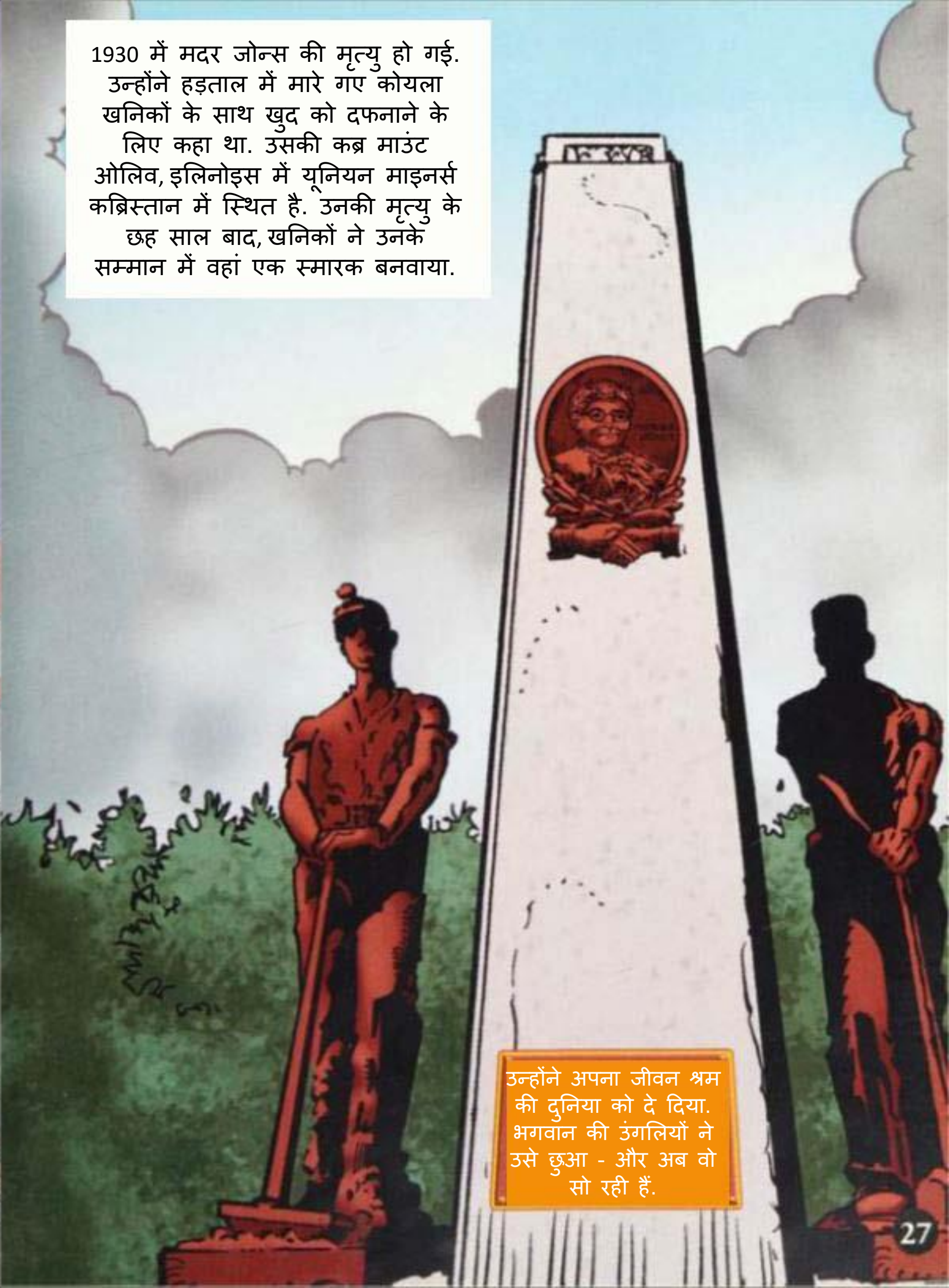



मज़दूरों और कंपनी के गार्डों में कभी-कभी झड़प भी होती थी. लेकिन अक्सर, यूनियनों के खिलाफ एकमात्र स्थानीय न्यायाधीश का आदेश ही काफी ताकतवर होता था. न्यायाधीशों ने भाषणों सहित हड़तालों और यूनियन गतिविधियों पर रोक लगा दी थी.
देखो, वे निषेध वारंट लेकर आए हैं.
आश्चर्य है कि जज उन गुंडों के ख़िलाफ़ निषेधाज्ञा क्यों नहीं जारी करते जो मज़दूरों को मारते-पीटते हैं!
आप इन मज़दूरों की नौकरियों में अवैध रूप से हस्तक्षेप कर रही हैं. हम आपको गिरफ़्तार करते हैं!
शेरिफ, मैं अभी आपके साथ आई.
अलविदा लड़कों, मुझे गिरफ़्तार किया गया है. लेकिन, हड़ताल जारी रखना!


मदर जोन्स की गिरफ़्तारी के बाद, उन्हें अदालत में ले जाया गया.
क्या आपका इरादा खान मज़दूरों को काम पर जाने से रोकने था?
हाँ सर, वही मेरा मकसद था. इन खराब परिस्थितियों में किसी को भी कंपनी के लिए काम नहीं करना चाहिए!
जज साहिब, आज वो देश की सबसे खतरनाक महिला है! उनके कहने पर, हजारों मज़दूर अपने औज़ार नीचे डाल देंगे.
न्यायाधीश, मुझे भी जेल में डाल दें. मैं मजदूरों के साथ ही रहूंगी.
मुझे लगता है उससे आपको और अधिक प्रचार मिलेगा. आप जाने के लिए आज़ाद हैं.
मैं आशा करता हूं कि आप अपनी बुद्धि से लोगों को उनकी नौकरियों से दूर रखने के बजाए कुछ और बेहतर काम करेंगी.


1913 में, 76 साल की उम्र में, मदर जोन्स को फिर से गिरफ्तार किया गया. उन्होंने कोयला खदानों में हड़तालियों की मदद के लिए त्रिनिदाद, कोलोराडो की यात्रा भी की. वापिस आने पर, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. फिर हिंसा रोकने के लिए बुलाई गई राज्य सेना में उन्हें एक जेल की कोठरी में डाल दिया.
यदि आप हड़ताल क्षेत्र छोड़ने का वादा करें, तो हम आपको छोड़ देंगे.
मैं अपने लड़कों को कभी नहीं छोड़ूंगी.
मैं पहले से ही सीवर के चूहों से लड़ रही हूँ. मैं यहाँ से मानव सीवर चूहों से भी लड़ सकती हूँ!
अखबारों ने लिखा कि कैसे मदर जोन्स, एक बूढ़ी महिला, को खनिकों से बात करने से लिए जेल में डाल दिया गया था. पत्रों और याचिकाओं ने कानून निर्माताओं और यहां तक कि राष्ट्रपति वुडरो विल्सन से भी, उन्हें छोड़ने का आग्रह किया.
बूढ़ी औरत ने सही कहा कि श्रमिकों को इस सरकार से कोई सुरक्षा नहीं है. यह सरकार अमीरों द्वारा अन्य रईसों के लिए चलाई जाती है.
26 दिनों बाद, मदर जोन्स रिहा हुईं.
आपने मुकदमे से एक दिन पहले मुझे रिहा किया. आप जानते थे कि आपको मुझे कैद करने का कोई अधिकार नहीं था.


बुढ़ापे में भी मदर जोन्स जोशीले भाषण देती रहीं.
एक औसत इंसान बस एक ऐसी चीज़ मांगता है जिसे वो घर-परिवार कह सके; जहाँ उसे गर्माहट मिले और कभी-कभार थोड़ी सी ख़ुशी भी.
मज़दूर यूनियन
समान न्याय
मदर जोन्स मज़दूर आंदोलन में अग्रणी थीं. वो मेहनतकश गरीबों के संघर्षों को प्रत्यक्ष रूप से जानती थीं, और वो मज़दूरों से एक मेहतनकश जैसे बात कर सकती थीं. उन्होंने श्रमिक संघर्षों पर बहुत ध्यान दिया और सैकड़ों-हजारों मजदूरों को बेहतर वेतन दिलाने में मदद की.


1930 में मदर जोन्स की मृत्यु हो गई. उन्होंने हड़ताल में मारे गए कोयला खनिकों के साथ खुद को दफनाने के लिए कहा था. उसकी कब्र माउंट ओलिव, इलिनोइस में यूनियन माइनर्स कब्रिस्तान में स्थित है. उनकी मृत्यु के छह साल बाद, खनिकों ने उनके सम्मान में वहां एक स्मारक बनवाया.
उन्होंने अपना जीवन श्रम की दुनिया को दे दिया. भगवान की उंगलियों ने उसे छुआ - और अब वो सो रही हैं.

मदर जोन्स के बारे में कुछ और

- मदर जोन्स ने दावा किया कि उनका जन्म 1830 में कॉर्क, आयरलैंड में हुआ था. इतिहासकारों का कहना है कि उनका जन्म संभवतः 1837 के आसपास हुआ होगा. कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता कि उन्होंने अपनी उम्र से, अधिक उम्र का होने का दावा क्यों किया.

- मदर जोन्स ने 1 मई, अपना जन्मदिन होने का दावा किया था. उनका वास्तविक जन्मदिन कब था यह किसी को नहीं पता. 1 मई दिवस, दिन में 8 घंटे काम को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की तारीख थी, जिसे शायद उन्होंने शिकागो में देखा हो.

- मदर जोन्स ने दावा किया कि उनके दादा को सरकार के खिलाफ विद्रोह करने के लिए आयरलैंड में ब्रिटिश सैनिकों द्वारा फांसी दी गई थी. उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पिता अपनी विद्रोही गतिविधियों के कारण गिरफ्तारी से बचने के लिए कनाडा भाग गए थे. उस दावे के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं. लेकिन मदर जोन्स निश्चित रूप से आयरिश लोगों की समस्याओं और अंग्रेजों के खिलाफ उनकी भावनाओं से अवगत रही होंगी.

- आज "मदर जोन्स" नामक एक पत्रिका प्रकाशित होती है. वो एक गैर-लाभकारी पत्रिका है जिसका लक्ष्य सामाजिक न्याय की आवाज़ बनना है. आज वो पत्रिका श्रमिकों, की स्थिति सहित सामाजिक मुद्दे उठाती है.

- कांग्रेस द्वारा अमेरिकी श्रम इतिहास के कुछ सबसे महत्वपूर्ण कानूनों को पारित होते देखने के लिए मदर जोन्स जीवित नहीं रहीं. 1932 में, नॉरिस-लागार्डिया एक्ट ने संघीय अदालत के न्यायाधीशों को मज़दूर यूनियन के खिलाफ निषेधाज्ञा जारी करने से रोक दिया. 1938 में, निष्पक्ष श्रम अधिनियम ने, न्यूनतम वेतन और एक मानक कार्य सप्ताह तय किया. उस कानून ने 14 वर्ष से कम आयु के बाल श्रम को गैरकानूनी घोषित कर दिया. 14 से 16 वर्ष की आयु के बच्चे केवल स्कूल के घंटों के बाद ही काम कर सकते थे.

